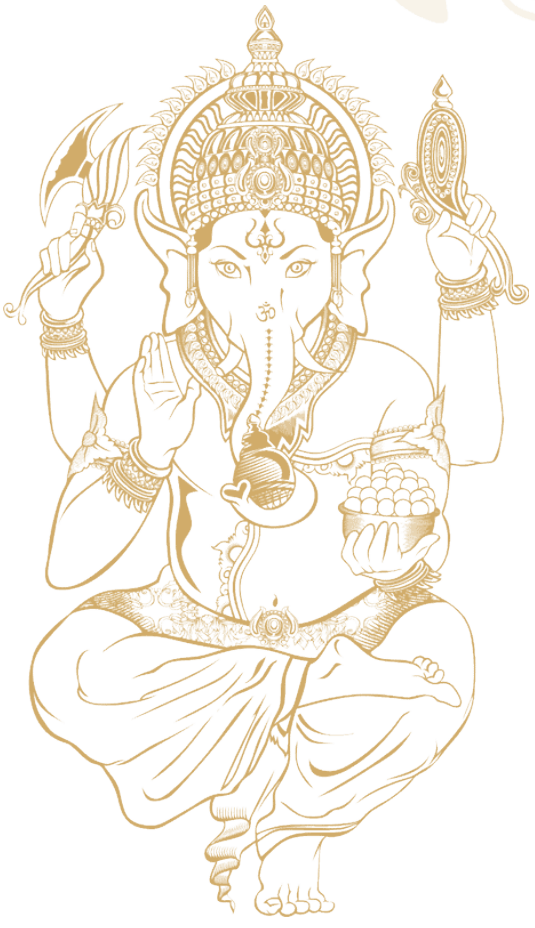

Anshul Goel

Preksha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121207502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/06/1994	जन्म तिथि	10/06/1994
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 22:05:00	जन्म समय	07:32:00 घंटे
घटी 41:45:17	जन्म समय(घटी)	05:22:59 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:22:53	सूर्योदय	05:22:48
19:17:29	सूर्यास्त	19:18:18
23:46:59	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:59

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 5वर्ष 1मा 17दि	05:10:33	मक	लग्न	मिथु	23:37:51	मंगल 1वर्ष 8मा 2दि
गुरु	23:52:09	वृष	सूर्य	वृष	25:12:09	गुरु
26/07/2024	16:29:25	वृष	चंद्र	मिथु	03:28:42	11/02/2014
26/07/2040	17:56:16	मेष	मंगल	मेष	18:57:51	11/02/2030
गुरु 13/09/2026	14:00:17	मिथु	बुध	मिथु	14:21:37	गुरु 31/03/2016
शनि 27/03/2029	11:47:58	तुला व	गुरु व	तुला	11:42:24	शनि 12/10/2018
बुध 03/07/2031	28:25:03	मिथु	शुक्र	कर्क	00:03:52	बुध 17/01/2021
केतु 08/06/2032	18:26:52	कुंभ	शनि	कुंभ	18:28:46	केतु 24/12/2021
शुक्र 07/02/2035	29:59:34	तुला व	राहु व	तुला	29:56:05	शुक्र 24/08/2024
सूर्य 26/11/2035	29:59:34	मेष व	केतु व	मेष	29:56:05	सूर्य 12/06/2025
चन्द्र 27/03/2037	01:58:24	मक व	हर्ष व	मक	01:55:58	चन्द्र 12/10/2026
मंगल 03/03/2038	29:04:31	धनु व	नेप व	धनु	29:02:46	मंगल 18/09/2027
राहु 26/07/2040	02:19:21	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	02:17:14	राहु 11/02/2030

लग्न-चलित

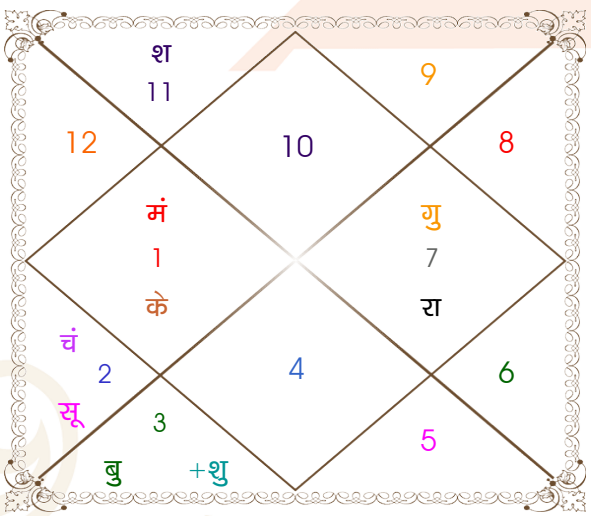

लग्न-चलित

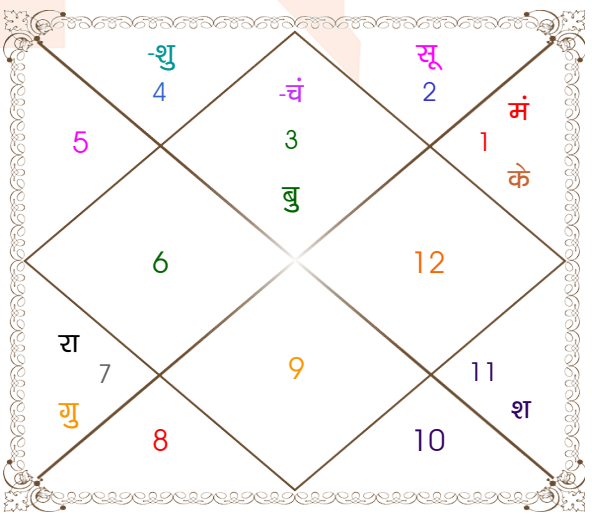

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	सर्प	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Anshul Goel का वर्ग मृग है तथा च्तर्मी का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Anshul Goel और च्तर्मी का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Anshul Goel मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Anshul Goel कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Anshul Goel कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

च्तर्मी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल च्तर्मों कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Anshul Goel तथा च्तर्मों में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।